परियोजना का नाम :– जनपद पिथौरागढ़ के अंतर्गत 220 के0वी0 डबल सर्किट जौलजीबी–पिथौरागढ़ पारेषण लाइन तथा जौलजीबी में 400 के0वी0 डबल सर्किट धौलीगंगा बरेली पारेषण लाइन के लीलो के निर्माण हेतु 58.449 हे0 वन भूमि प्रत्यावर्तन के संबंध में (प्रस्ताव संख्या FP/UK/TRAN/35527/2018) ।

प्रभागीय वनाधिकारी, पिथौरागढ़ वन प्रभाग, पिथौरागढ़ के पत्रांक –1002/12–1 दिनांक 18/9/2019 से दी गई आख्या कि उक्त परियोजना हेतु प्रस्तावित स्थल अस्कोट वन्यजीव विहार से 2.50 कि0मी0 दूरी पर स्थित है। जौलजीबी से पिथौरागढ़ तक प्रस्तावित पारेषण लाइन में पड़ने वाले क्षेत्र सिविल वन,पंचायती वन एंव नापभूमि आ रही है। क्षेत्र में वन्यजीवों का आंशिक आवागमन है। विद्युत पारेषण लाइन भूमि की सतह से 26–30 मी0 ऊँचाई पर प्रस्तावित है। जिससे वन्यजीवों के आवागमन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

प्रभागीय वनाधिकारी, पिथौरागढ़ वन प्रभाग, पिथौरागढ़ की उक्त आख्या के आधार पर प्रस्तावित परियोजना निर्माण की संस्तुति की जाती है।

(राजीव भरतरी)
प्रमुख वन संरक्षक (वन्य जीव)/मुख्य
वन्य जीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड।

कार्यालय प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव)/मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड
85–राजपुर रोड़, देहरादून (उत्तराखण्ड), फोन न0–0135–2742884 फैक्स–2745691

पत्रांक– 1216 / 12–1 दिनांक 26 सितम्बर, 2019

प्रतिलिपि निम्नलिखित को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रभागीय वनाधिकारी, पिथौरागढ़ वन प्रभाग, पिथौरागढ़
2. वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक,पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड,400/220 के0वी0 जी0आई0एस0,बगडीहाट,पो0ओ0 जौलजीबी,पिथौरागढ़

(राजीव भरतरी)
प्रमुख वन संरक्षक (वन्य जीव)/मुख्य
वन्य जीव प्रतिपालक, उत्तराखण्ड।
26/9/19